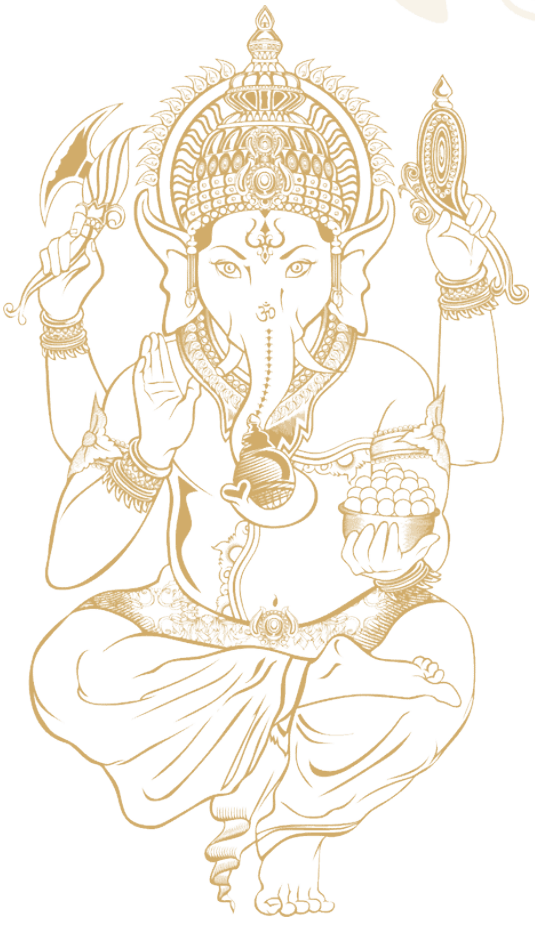

Suyash Raj Mishra

Sweta Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120460502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/12/1994	जन्म तिथि	23/07/1995
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 19:31:00	जन्म समय	12:05:00 घंटे
घटी 31:56:10	जन्म समय(घटी)	16:29:55 घटी
India	देश	India
Kanpur	स्थान	Kanpur
26:27:00 उत्तर	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
80:19:00 पूर्व	रेखांश	80:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:44	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:31	सूर्योदय	05:29:01
17:16:32	सूर्यास्त	19:00:57
23:47:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:52

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 17वर्ष 5मा 0दि		24:07:08	मिथु	लग्न	तुला	02:35:24	चन्द्र 3वर्ष 10मा 30दि	
गुरु		22:27:53	वृश्चि	सूर्य	कर्क	06:09:58	गुरु	
10/05/2012		07:05:49	कुंभ	चंद्र	वृष	18:06:45	21/06/2024	
10/05/2028		05:13:57	सिंह	मंगल	कन्या	07:18:56	21/06/2040	
गुरु	28/06/2014	19:23:13	वृश्चि	बुध	कर्क	00:33:55	गुरु	10/08/2026
शनि	08/01/2017	06:01:17	वृश्चि	गुरु व	वृश्चि	11:53:59	शनि	20/02/2029
बुध	16/04/2019	12:44:07	तुला	शुक्र	मिथु	28:15:41	बुध	29/05/2031
केतु	22/03/2020	12:37:44	कुंभ	शनि व	मीन	00:43:04	केतु	04/05/2032
शुक्र	21/11/2022	20:33:55	तुला व	राहु व	तुला	07:40:39	शुक्र	03/01/2035
सूर्य	09/09/2023	20:33:55	मेष व	केतु व	मेष	07:40:39	सूर्य	22/10/2035
चन्द्र	08/01/2025	00:25:03	मक	हर्ष व	मक	04:38:09	चन्द्र	20/02/2037
मंगल	15/12/2025	27:57:23	धनु	नेप व	मक	00:12:04	मंगल	27/01/2038
राहु	10/05/2028	04:53:39	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	04:05:31	राहु	21/06/2040

लग्न-चलित

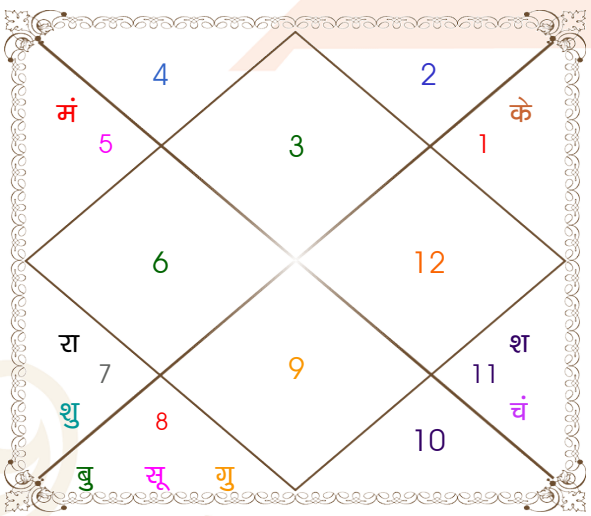

लग्न-चलित

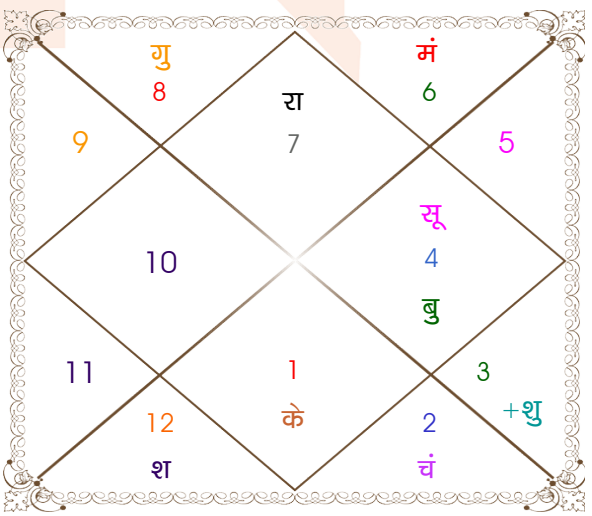

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

ैनलीं ंत्र डपींतं का वर्ग मार्जार है तथा ैमजं डपींतं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैनलीं ंत्र डपींतं और ैमजं डपींतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनलीं ंत्र डपींतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ैमजं डपींतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ैमजं डपींतं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैनलीं त्र डपीतं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनलीं त्र डपीतं तथा ूमजं डपीतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।